2.5 हजार से भी अधिक बार गालीबारी कर चुका है पाकिस्तान इस वर्ष अब तक। इससे पहले वर्ष 2018 में गोलाबारी की 1629 मामले दर्ज हुए थे।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 25 दिसंबर 2019

लखनऊ में 200 करोड़ की लागत से बनेगा अटल चिकित्सा विश्वविद्यालय

सौगात ▸ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज करेंगे शिलान्यास, लोकभवन में होगा आयोजन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर लखनऊ में आकार लेने जा रहा चिकित्सा विश्वविद्यालय कई मायनों में खास होगा। राष्ट्रीय पुष्प कमल के फूल की आकृति में बनने वाला विश्वविद्यालय का भवन लखनऊ की नई पहचान बनेगा, जबकि इसके प्रांगण में लगने वाले कदंब, पारिजात व मौलश्री जैसे वृक्ष पूरे परिसर की आभा व परिणाम बढ़ाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती पर अटल बिहारी चिकित्सा विश्वविद्यालय का शिलान्यास करेंगे। आयोजन तो लोकभवन में होगा, लेकिन विश्वविद्यालय की बुनियाद करीब 11 किलोमीटर दूर चक गंजरिया में पड़ेगी। 50 एकड़ भूमि में बनने जा रहा यह चिकित्सा विश्वविद्यालय सरकारी, अर्द्धसरकारी व निजी क्षेत्र के 40 मेडिकल कॉलेजों, 17 डेंटल कॉलेजों तथा 299 नर्सिंग व पैरामेडिकल कॉलेजों के कुल 20,770 विद्यार्थियों को हर साल पंजीकृत करेगा। इसमें मेडिकल के 6210, डेंटल के 2016 और नर्सिंग व पैरामेडिकल कॉलेजों के 12,544 विद्यार्थी होंगे।

प्रतिमा का भी होगा अनावरण : 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर लोकभवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उनकी प्रतिमा का अनावरण भी किया जाएगा। कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते अधिकारी। जागरण

विश्वविद्यालय के लिए राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है, जबकि लखनऊ विकास प्राधिकरण से आवंटित भूमि का कब्जा भी चिकित्सा शिक्षा विभाग को 18 दिसंबर को मिल गया है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक डॉ.केके गुप्ता ने बताया कि पहले चरण के तहत विश्वविद्यालय में प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय, प्रेक्षागृह, संग्रहालय, अतिथि गृह, आवास व अन्य निर्माण किए जाएंगे। करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाले विश्वविद्यालय का भवन ग्रीन एनर्जी तकनीक से बनेगा, जिससे 65 फीसद ऊर्जा की बचत होगी। विश्वविद्यालय परिसर में 12 मीटर चौड़ा मार्ग होगा, जिसके साथ ग्रीन ब्लेट बनाकर पौधरोपण किया जाएगा। यहां साइकिल ट्रैक के साथ पैदल चलने का अलग रास्ता होगा, जबकि परिसर में लगे फव्वारे भी विवि की भव्यता बढ़ाएंगे।

356 कॉलेजों के 20 हजार छात्रों को संभालेगा अटल चिकित्सा विश्वविद्यालय

25 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का होगा अनावरण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को अटल की जयंती पर लोकभवन में पूर्व प्रधानमंत्री की 25 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का भी अनावरण करेंगे। मोदी दोपहर ढाई बजे विशेष विमान से लखनऊ पहुंचेंगे और सीधे लोकभवन जाएंगे। प्रतिमा के अनावरण के बाद प्रधानमंत्री का 25 मिनट का संबोधन होगा। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। शाम पौने पांच बजे प्रधानमंत्री दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

गुजरात के दो कांग्रेस विधायक व पूर्व भाजपा सांसद दंगा मामले में दोषी

राजकोट, प्रेट्र : दो कांग्रेस विधायकों और एक पूर्व भाजपा सांसद समेत 10 लोगों को दंगा और तोड़फोड़ के मामले में एक साल कारावास और पांच-पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है। दंगा करने का यह मामला 2008 में दर्ज किया गया था।

एडीशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट रूपा एस. राजपूत ने जूनागढ़ और वांकानेर से कांग्रेस विधायकों भीकाभाई जोशी और मुहम्मद जावेद पीरजादा के साथ-साथ राजकोट पूर्व से पूर्व कांग्रेस विधायक इंद्रनील राज्यगुरु, पूर्व भाजपा सांसद देवजी फतेपारा और छह अन्य को दोषी ठहराया और एक साल कारावास व पांच-पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। सभी 10 दोषियों को पांच-पांच हजार रुपये के बांड पर जमानत प्रदान कर दी गई।

इस मामले में दिसंबर, 2008 में 179 नेताओं के खिलाफ प्रद्युम्न नगर पुलिस थाने में केस दर्ज किया गया था। इन नेताओं ने जमीन कब्जाने के मामले में तत्कालीन कांग्रेस विधायक कुंवरजी बावलिया की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन में करीब 1,500 लोगों की भीड़ का नेतृत्व किया था। बावलिया अब भाजपा में हैं।

दोषी ठहराए गए छह अन्य लोगों में राजकोट जिला दुग्ध सहकारी समिति के अध्यक्ष गोविंद रणपरिया के अलावा कांग्रेस नेता अशोक डांगर, जसवंत सिंह भाटी, महेश राजपूत, भीखू वडोडरिया और गोवर्धन दमेलिया शामिल हैं। ये नेता बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे।

बर्फबारी में बंद रास्तों से भी हो सकती है घुसपैठ

गगन कोहली, राजौरी

हर बार सर्दियों में भारी बर्फबारी से नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ के तमाम रास्ते बंद हो जाते हैं और पाकिस्तानी गोलाबारी भी लगभग थम जाती है। लेकिन इस बार पाकिस्तानी सेना लगातार फायरिंग जारी रखे हुए है। मतलब साफ है....। पाकिस्तानी सेना, उसकी खुफिया एजेंसी आइएसआइ और आतंकी संगठनों ने मिलकर बर्फबारी के बावजूद घुसपैठ की साजिश रची है। यही कारण है कि पिछले कुछ दिनों से सीमा पर लगातार गोले बरसाए जा रहे हैं। कुछ रोज पहले सेना अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत व राज्य पुलिस के प्रमुख दिलबाग सिंह भी यह संकेत दे चुके हैं कि सीमा पर हालात बिगड़ सकते हैं और घुसपैठ के प्रयास बढ़ सकते हैं। ऐसे में उन्होंने जवानों को पूरी तरह सर्तक व मुस्तैद रहने को कहा था।

आतंकियों को दो से पांच फीट बर्फ में चलने का प्रशिक्षण : हाल ही के दिनों में एलओसी व इसके आसपास के क्षेत्रों में भारी बर्फबारी हुई है। इससे कुछ क्षेत्रों में सीमा पर लगी कंटीली तार को भी नुकसान पहुंचा है और घुसपैठ के अधिकतर मार्ग बंद हो चुके हैं। सूत्रों की मानें तो पाकिस्तान ने ऐसे क्षेत्रों को चिह्नित किया है, जहां दो से पांच फीट बर्फ गिरती है। ऐसे इलाकों में चलना मुश्किल होता है, लेकिन नामुमकिन नहीं। सीमा पार आतंकी शिविरों में आतंकवादियों को दो से पांच फीट तक बर्फ को पार करने का प्रशिक्षण दिया गया है।

कहां-कहां मौजूद हैं आतंकी : मौजूदा समय में सीमा पार पाकिस्तान के निकयाल, समानी, अग्रिम बालाकोट, डाकू पोस्ट, कद्दू पोस्ट, देवा, तत्तापानी आदि क्षेत्रों में काफी संख्या में आतंकी जमा हैं और घुसपैठ का मौका तलाश रहे हैं। इनकी संख्या 200 से अधिक बताई जा रही है।

बॉर्डर एक्शन टीम के सदस्य भी सीमा के करीब तैनात

पाक सेना ने बार्डर एक्शन टीम (बैट) के सदस्यों को सीमा के करीब तैनात किया हुआ है। बार्डर एक्शन टीम को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं कि वह मौका मिलते ही भारतीय क्षेत्र में दाखिल होकर बड़ी कार्रवाई को अंजाम देकर वापस अपनी सीमा में सुरक्षित लौट आएं।

ध्यान भटकाने के लिए की जा रही गोलाबारी

भारतीय सेना का ध्यान भटकाने के लिए ही पाकिस्तानी अंतरराष्ट्रीय सीमा से लेकर एलओसी पुंछ व उड़ी तक सैन्य चौकियों व रिहायशी क्षेत्रों में भारी गोलाबारी कर रहा है। पिछले एक माह में खराब मौसम की आड़ में कई बार घुसपैठ के प्रयास किए जा चुके हैं।

चेक की क्लोनिंग कर दिल्ली एम्स के खाते से उड़ाए 12 करोड़ रुपये, पांच हैकर गिरफ्तार

जेएनएन, नई दिल्ली

उप्र के आजमगढ़ में पुलिस ने ऐसे हैकर गिरोह को दबोचा है, जिसने अपने कारनामे से एम्स दिल्ली सहित कई देशों के बड़ी फर्मों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया है। महराजगंज थाना क्षेत्र के देवनपुर के समीप से गिरोह के सरगना समेत पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। हत्थे चढ़े गिरोह के सदस्य कितने शातिर हैं इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इन्होंने एम्स दिल्ली के चेक की क्लोनिंग करके 12 करोड़ रुपये उड़ाए थे। इतना ही नहीं पुलिस की पूछताछ में सामने आया है कि इन साइबर अपराधियों ने अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी समेत विभिन्न देशों के बैंकों को भी हैककर वहां की बड़ी फर्मों के खातों से रुपये उड़ाए हैं। इस वर्ष अक्टूबर और नवंबर महीने में साइबर ठगों ने एम्स के खाते से ठगी की घटना को अंजाम दिया था। साइबर अपराधियों ने एम्स के निदेशक के खाते से करीब सात करोड़ रुपये, जबकि डीन के नाम वाले खाते से करीब पांच करोड़ रुपये निकाले थे। पकड़े गए हैकर गिरोह में एक बैंक कैशियर, ग्राहक सेवा केंद्र का एक संचालक, दो कंप्यूटर इंजीनियर भी शामिल हैं। आजमगढ़ के पुलिस अधीक्षक प्रो. त्रिवेणी सिंह ने पकड़े गए अपराधियों को मीडिया के सामने लाते हुए मंगलवार को इस मामले की विस्तार से जानकारी दी। एसपी ने बताया कि उक्त अपराधी क्रेडिट, डेबिट कार्ड, चेक, हस्ताक्षर आदि का क्लोनिंग व डंपिंग करते थे।

बैंक कैशियर व साफ्टवेयर इंजीनियर भी : पकड़े गए अपराधियों में लक्ष्मण यादव निवासी मऊ और कुलदीप सिंह निवासी देवरिया साफ्टवेयर इंजीनियर हैं। लक्ष्मण ने एमसीए व कुलदीप ने बीटेक किया है। इन दोनों को ही हैकर बताया जा रहा है। शशिरंजन मौर्य गोरखपुर का निवासी है। यह गोरखपुर मझगांवा एसबीआइ ब्रांच का कैशियर है।

एक माह में निकाली गई रकम

यह रकम एक माह के दौरान मुंबई, चेन्नई और कोलकाता आदि शहरों से निकाली गई थी। घटना का पता चलने के बाद एम्स प्रशासन ने ठगी की शिकायत दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (इओडब्ल्यू), स्टेट बैंक और सीबीआइ में की थी। उधर घटना सामने आने के बाद एसबीआइ ने ठगी में गई पूरी रकम 10 दिसंबर को एम्स के खाते में वापस डाल दी थी। बड़ी रकम निकाले जाने की जानकारी सामने आने पर एम्स प्रशासन ने एसबीआइ बैंक से इसकी जानकारी मांगी थी।

बैंक ने नहीं किया नियम का पालन

ठगी का पता चलने पर एम्स प्रशासन द्वारा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय सहित पुलिस को इस बारे में अवगत कराया गया था। एसबीआइ भी इस मामले में आंतरिक जांच करवा रही थी। नियम के मुताबिक दो लाख रुपए से ज्यादा की रकम का चेक पास करने से पहले बैंक इसकी सूचना खाताधारक को देता है। लेकिन इस मामले में बैंक ने ऐसा नहीं किया था। पुलिस के मुताबिक इस मामले में बैंक के नियमों की अनदेखी सामने आ रही थी।

लोहरदगा में नक्सलियों के बारूदी सुरंग विस्फोट में किशोरी की मौत

जासं, लोहरदगा: विधानसभा चुनाव परिणाम आने के ठीक अगले दिन मंगलवार को लोहरदगा में नक्सलियों ने बड़ी घटना को अंजाम दिया है। लोहरदगा जिले के केकरांग झरना के समीप बारूदी सुरंग विस्फोट में किशोरी की मौत हो गई है। वहीं एक महिला सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को इलाज के लिए तत्काल सदर अस्पताल लाया गया। जहां सभी का प्राथमिक उपचार किया गया है। एसपी प्रियदर्शी आलोक ने घटना की पुष्टि की है।

वारदात में जान गंवाने वाली किशोरी का नाम जमुना उरांव है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस जांच और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ जितेंद्र कुमार सिंह, लोहरदगा थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक जय प्रकाश राणा, बगड़ू थाना प्रभारी निशिकांत शर्मा ने सदर अस्पताल पहुंच कर घायलों का बयान लिया है। नक्सलियों की घेराबंदी को लेकर पुलिस का अभियान तेज पकड़ चुका है। पुलिस ने सतर्कता के साथ शव को बरामद किया है।

मध्य प्रदेश के बड़वानी के पास चेतक उत्सव में 11 लाख में बिका 'प्रिंस'

नईदुनिया, बड़वानी

300 वर्षों से अश्व मेला लग रहा

10 वर्षों में अश्व मेले का हुआ विस्तार

758 अश्वों की हो चुकी है अब तक बिक्री

16 दिन तक चलने वाले उत्सव में विदेशी भी पहुंचे

मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के समीप महाराष्ट्र के शहादा जिले के सारंगखेड़ा में 16 दिनी 'चेतक उत्सव' जारी है। इसमें देशभर के अश्व प्रेमी व व्यापारी शरीक हो रहे हैं। इस बार उत्सव में शामिल होने 3000 से अधिक घोड़े लाए गए हैं। अब तक मेले में 758 घोड़ों की बिक्री व तीन करोड़ से अधिक का कारोबार हो चुका है। मंगलवार को सजे-धजे घोड़ों का नृत्य देख लोग दंग रह गए। उत्सव में प्रिंस घोड़ा सबसे अधिक 11 लाख रुपये में बिका। पांच लाख तक बिकने वाले कई घोड़े थे। घोड़ों की शुरुआती कीमत ही एक लाख रुपये है। 26 दिसंबर को उत्सव का समापन होगा।

चेतक उत्सव में पहली बार पंजाब के अमृतसर से लाया गया 10 करोड़ रुपये का शान घोड़ा भी शामिल हुआ। शान मारवाड़ी नस्ल का घोड़ा है। इसके मालिक का दावा है कि दौड़ में इसके आगे कोई घोड़ा नहीं टिका। इसकी खुराक पर एक लाख रुपए महीना खर्च किया जाता है।

मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले से लगे महाराष्ट्र के शहादा जिले के सारंगखेड़ा में जारी चेतक उत्सव में नृत्य करते अश्व। नईदुनिया

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहायक प्रबंधक कार में जिंदा जले

लाडवा-पिपली रोड पर निवारसी गांव के नजदीक चलती कार में लगी आग। जागरण

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : हरियाणा के कुरुक्षेत्र में लाडवा-पिपली मार्ग पर गांव सौंटी के नजदीक अचानक चलती कार में आग लग गई। आग में जलने के कारण सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहायक प्रबंधक की मौत हो गई। इस दौरान कुछ लोग तमाशबीन बनकर घटना की वीडियो बनाते रहे। लाडवा पुलिस व फायर बिग्रेड सूचना के बाद पहुंची। जानकारी के अनुसार लाडवा के सेक्टर-5 निवासी देवेंद्र कालड़ा लाडवा के ही सेंट्रल बैंक में सहायक प्रबंधक के तौर पर कार्यरत थे। वह मंगलवार को अपनी कार से बैंक के काम से कुरुक्षेत्र की तरफ जा रहे थे। सौंटी गांव के पास पहुंचते ही कार में अचानक आग लग गई। उन्होंने कार से निकलने का काफी प्रयास किया, लेकिन सेंटर लॉक के कारण खिड़की नहीं खुल पाई। थाना लाडवा प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। कार में आग किस कारण से लगी, उसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। बैंक के कैशियर रामकुमार के अनुसार देवेंद्र कालड़ा मंगलवार सुबह बैंक में आए थे। बाद में बैंक के कार्य से कहीं गए थे। बाद में सूचना मिली कि कार में आग लगने से उनकी मौत हो गई।

हीरानगर में पाक ने तीसरे दिन भी दागे मोर्टार शेल

संवाद सहयोगी, हीरानगर : अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हीरानगर सेक्टर में पाकिस्तानी सेना लगातार गोलाबारी कर रहा है। इससे सीमांत गांवों में दहशत का माहौल है। सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे के बाद पाकिस्तानी सेना ने चक चंगा व छन्नटांडा गांवों में गोलीबारी की। पाकिस्तानी सेना ने दोनों गांवों के रिहायशी क्षेत्रों को निशाना बना कर मोर्टार तथा मशीनगन से गोलीबारी शुरू की जो मंगलवार सुबह पांच बजे तक रुक-रुक कर जारी रही। इस दौरान दर्जनों मोर्टार शेल घरों, पशुओं के तवेलों व आस पास के खेतों में गिरे। उधर, सीमा सुरक्षा बल के जवान पाकिस्तान की गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया। फिलहाल गोलीबारी में किसी तरह के जानी नुकसान की सूचना नहीं है।

चकचंगा निवासी रोशन लाल, गुलशन कुमार, सुंदर लाल, मुकेश कुमार, रमेश चंद्र का कहना है कि पाक रेंजर्स तीन दिन से अपने पप्पू चक पोस्ट से दोनों गांवों को निशाना बनाकर गोलीबारी कर रहे हैं। यह क्रम हीरानगर सेक्टर में करीब दो माह से लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि शाम के सात बजते ही गांवों में सन्नाटा छा जाता है। शाम होते ही लोग बंकरों में घुस जाते हैं। लोगों का कहना है कि सरकार पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे।

अफगानी प्याज से भरा आइसीपी का गोदाम, लौटाए जा रहे हैं ट्रक

जागरण संवाददाता, अमृतसर

प्याज की आसमान छूती कीमतों के बीच आइसीपी अटारी से प्याज से भरे ट्रक लौटाए जा रहे हैं। दरअसल प्याज से इंटेग्रेटेड चेक पोस्ट का गोदाम भर चुका है। सोमवार को प्याज के 10 ट्रक और ड्राईफ्रूट के सात ट्रकों को वापस वाघा भेजना पड़ा।

वाघा-अटारी के रास्ते रोजाना प्याज के 70 ट्रक और ड्राईफ्रूट के 12 ट्रक भारत पहुंच रहे हैं। इस तरह रोजाना 2,100 टन प्याज और 264 टन ड्राईफ्रूट पहुंचता है। ऐसे में पिछले 15 दिनों में अफगानिस्तान से प्याज से भरे 425 ट्रक, जबकि ड्राईफ्रूट के 168 ट्रक भारत पहुंचे हैं। इस तरह 12 हजार 750 टन प्याज और ड्राईफ्रूट 3 हजार 696 टन आइसीपी पर पहुंचा। हालांकि जिन ट्रकों को वाघा लौटाया जा रहा है, वो अगले दिन फिर अनलोड के लिए आइसीपी पर आते हैं।

व्यापारी समय पर नहीं उठा पाते प्याज और ड्राईफ्रूट : ड्राईफ्रूट एसोसिएशन के प्रधान अनिल मेहरा ने बताया कि दिल्ली के लिए गाड़ियां नहीं मिल पातीं, जिसके चलते दिल्ली के व्यापारी प्याज और ड्राईफ्रूट समय पर नहीं उठा पाते। इंपोर्ट सामान बहुत कीमती होता है तो उन्हें शेड के अंदर ही रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि आइसीपी पर तैनात अलग-अलग विभागों के अधिकारियों को भी चाहिए कि उतनी ही गाड़ियां वाघा से इधर मंगवाएं, जितनी शेड (कवर्ड गोदाम) में रखी जा सकें।

कस्टम कमिश्नर दीपक कुमार गुप्ता ने बताया कि गोदामों में स्टाक नहीं रहे, इसके लिए कस्टम विभाग तुरंत औपचारिकताएं पूरी करने के हर संभव प्रयास करता है। इसके बाद माल उठाना व्यापारी की मर्जी पर निर्भर करता है। कई बार गाड़ियां नहीं मिलने के चलते भी ऐसे हालात बन जाते हैं। अधिकारी ट्रेडर्स को भी सामान जल्द से जल्द उठवाने के लिए प्रेरित करते हैं, ताकि अफगानिस्तान से रोजाना पहुंचने वाले प्याज और ड्राईफ्रूट के ट्रकों की अनलोडिंग करके ही वापस भिजवाया जाए।

वाघा-अटारी के रास्ते रोजाना प्याज के 70 ट्रक व ड्राईफ्रूट के 12 ट्रक भारत पहुंच रहे हैं। प्रतीकात्मक

आगरा में दुष्कर्म पीड़िता ने दम तोड़ा, आरोपित गिरफ्तार

जासं, आगरा : दुष्कर्म के बाद सिर में ईंट से प्रहार कर घायल की गई पीड़िता 58 घंटे बाद मंगलवार शाम जिंदगी की जंग हार गई। वह सरोजिनी नायडू (एसएन) मेडिकल कॉलेज में जिंदगी और मौत के बीच झूल रही थी। उधर, पुलिस ने आरोपित को भी एटा से गिरफ्तार कर लिया। आगरा के एत्माद्दौला क्षेत्र में शनिवार रात को मानसिक दिव्यांग युवती से दुष्कर्म के बाद ईंट मारकर हत्या का प्रयास किया गया था। पुलिस ने उसे एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। मंगलवार शाम 5 बजे पीड़िता ने दम तोड़ दिया। इंस्पेक्टर एत्माद्दौला उदयवीर सिंह मलिक ने बताया कि एटा के सकरौली में नगला उदी से आरोपित सुगर सिंह उर्फ सोड़ा को गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ की जा रही है। आरोपित सुगर सिंह ने पुलिस को बताया कि आगरा में रहकर मजदूरी करता था। रात को एत्मादौला में ही सो जाता था। शनिवार रात को वह नशे में धुत हो लौटा। यमुना ब्रिज स्टेशन रोड पर एक तख्त पर उसे युवती सोती मिल गई। वह उसके साथ घिनौनी हरकत करने के बाद मरणासन्न कर गांव भाग गया।

सियासत

नेकां और पीडीपी ने इसी सप्ताह बैठक कर हालात पर किया मंथन, जम्मू के बाद कांग्रेस ने कश्मीर में भी शुरू की राजनीतिक गतिविधियां

कश्मीर में हालात सामान्य, जमीन तलाशने में जुटे सियासी दल

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

कश्मीर में जनजीवन पूरी तरह सामान्य होने के साथ ही मुख्यधारा की सियासी गतिविधियां भी जोर पकड़ने लगी हैं। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम का विरोध कर रही नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के कार्यकर्ता अब वादी में सक्रिय होने लगे हैं। वहीं, डेमोक्रेटिक पार्टी नेशनलिस्ट, पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट जैसे संगठनों के नेता भी जम्मू-कश्मीर की सियासत को लेकर मुखर होने लगे हैं। अलगाववादी खेमा बेशक खामोश है, लेकिन बदली परिस्थितियों के बीच उसके कई नेता भी अपने लिए नई जमीन तलाशते नजर आ रहे हैं।

पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम को लागू किए जाने से उपजी स्थिति के मद्देनजर प्रशासन ने जम्मू-कश्मीर में सभी गैर भाजपा राजनीतिक दलों के सभी प्रमुख नेताओं व कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में ले लिया था। इसके साथ ही पूरे राज्य में सियासी गतिविधियां लगभग ठप हो गई थीं। हालात में बेहतरी के साथ राज्य के जम्मू संभाग में तो राजनीतिक गतिविधियां सीमित तौर पर शुरू हो गई थीं, लेकिन कश्मीर में सियासी हलचल लगभग थमी हुई थी। नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी, पीपुल्स कांफ्रेंस समेत सभी राजनीतिक दलों के वह नेता जो हिरासत से बाहर थे, पूरी तरह चुप्पी साधे थे। प्रशासन ने जिन नेताओं को रिहा किया था, वह भी चुप बैठे, क्योंकि रिहाई की शर्त यही थी कि वह सियासी मुद्दों पर नहीं बोलेंगे।

हालांकि, अब बीते दो दिनों से कश्मीर में मुख्यधारा के सियासी दल एक बार फिर सक्रिय होते नजर आ रहे हैं। नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने इसी सप्ताह सोमवार को अपने कार्यालयों में अलग बैठकें की। इन बैठकों में कश्मीर के मौजूदा हालात, देश की सियासत पर चर्चा हुई। दोनों दलों ने अलग-अलग प्रस्ताव पारित कर सभी राजनीतिक लोगों की रिहाई की मांग की, नागरिकता संशोधन कानून की निंदा की। उन्होंने अपनी अगली सियासी रणनीति तय करने के लिए अपने नेताओं की रिहाई का इंतजार करने का एलान भी किया। पूर्व कृषि मंत्री और डेमोक्रेटिक पार्टी नेशनलिस्ट के अध्यक्ष गुलाम हसन मीर और पूर्व राजस्व मंत्री, पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट के चेयरमैन हकीम यासीन भी अपने समर्थकों संग सियासी हालात में बैठक कर रहे हैं।

अलगाववादी खेमा खामोश : अलगाववादी खेमा बेशक पूरी तरह खामोश है, लेकिन कट्टरपंथी सईद अली शाह गिलानी और मीरवाइज मौलवी उमर फारूक भी लगातार अपने समर्थकों संग संपर्क कर बदले हालात को समझने का प्रयास कर रहे हैं। अलगाववादी खेमे की दूसरी पंक्ति के कई नेता कश्मीर में दिल्ली समेत देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले बुद्धिजीवियों व राजनीतिक प्रतिनिधिमंडलों से मिल रहे हैं। उनसे बातचीत में वह अपने रुख में बदलाव का यकीन दिलाने का प्रयास कर रहे हैं।

सियासी जमीन बचाने के लिए सक्रियता

कश्मीर मामलों के विशेषज्ञ और वरिष्ठ पत्रकार आसिफ कुरैशी ने कहा कि बेशक नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के कई नेता जेल में हैं, लेकिन उनके समर्थक और वह खुद भी जानते हैं कि अगर वह ज्यादा देर तक निष्क्रिय रहे तो केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर में उनकी सियासी जमीन पूरी तरह खत्म हो जाएगी। इसलिए सक्रिय रहना जरूरी है। ऐसे में आने वाले दिनों में कश्मीर में सियासी गतिविधियां और जोर पकड़ेंगी, क्योंकि केंद्र सरकार यहां विधानसभा चुनाव कराएगी। इसलिए कश्मीर के सभी परंपरागत दल सक्रिय हो रहे हैं।

पैर दबाने से इन्कार किया तो शौहर ने तीन बार कह दिया तलाक

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरनगर : जीवन के तकरीबन चार दशक साथ बिताने के बाद एक वृद्ध ने अपनी पत्नी को तीन बार तलाक कह दिया। वृद्धा का कसूर केवल इतना था कि उसने पति के पैर दबाने से इन्कार कर दिया। मंगलवार को तीन तलाक पीड़ित वृद्धा ने अफसरों से न्याय की गुहार लगाई।

वाकया, सिखेड़ा थानाक्षेत्र के एक गांव का है। यहां रहने वाली करीब 60 वर्षीय महिला ने मंगलवार को अपनी पुत्रवधुओं को साथ लेकर एसडीएम दरबार में हाजिरी लगाई। अपनी पीड़ा सुनाते हुए महिला ने बताया कि उनकी उम्र 60 साल से अधिक हो गई है। गांव में उनका भरा-पूरा परिवार है, जिनमें बेटे और पुत्रवधू, पौत्र-पौत्री भी हैं। पति आए दिन उन्हें प्रताड़ित करता है। बूढ़ी काया को लेकर पहले ही दुखी हैं, ऊपर से पति उन्हें अपनी सेवा करने के लिए दबाव डालता है। उनसे पैर दबाने को कहता है, इन्कार करने पर उन्हें सताता है। वृद्धा का आरोप है कि शनिवार को भी पति ने पैर दबाने के लिए कहा, जिससे इन्कार करने पर उन्हें तत्काल तीन तलाक कह दिया। विरोध करने पर मारपीट कर घर से निकाल दिया। एसडीएम कुलदीप मीणा से मिलीं पुत्रवधुओं ने भी ससुर के सलूक की शिकायत की, जिसे सुनकर अधिकारी भी हैरत में पड़ गए।

तीन दिन से भटक रही वृद्धा: अपना दर्द सुनाते हुए पीड़ित वृद्धा की आंखों में आंसू छलक पड़े। उन्होंने कहा कि तलाक देने के बाद पति ने उनके घर में घुसने पर रोक लगा दी है। इसके चलते वह पिछले तीन दिन से दर-दर भटक रही हैं।

वृद्ध महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी। महिला को पुलिस के पास भेजा गया है। वृद्धा अपनी पुत्रवधुओं के साथ पहुंची थी। सभी की समस्याएं सुनने के बाद पुलिस को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

-कुलदीप मीणा, एसडीएम जानसठ तहसील।